



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे न्यूज

10.10.2021

--

--

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

### एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

गांव बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हानिरहित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड हीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जोर स्वास्थ्य पर कहर बिषय के प्रति इमर्सिवों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रेमिणी कृष्ण चट्टन ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संभव बंध रहता है। अनाज, दूध, मसूने, चीं से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति अत्यंत सावधानी को जतन करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उसने बताया



कि खाद्य अप्रामाण्य से उपभोक्ता को गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उपभोक्ता अस्वस्थ दिखने लगता है। इसलिए हमें उपभोक्ता को गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उपभोक्ता की समझति त्रिभि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि को जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में संरक्षण की धर्मवती विज्ञानसलमी शरीर मुल्यावधि मौजूद रही। उन्होंने

महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयत्नों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून यह उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में निवेदन दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और

सज्ज भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्तिक के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि 'वैज्ञानिक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किसान गाईन द्वारा बिना रासायनिक खाद के खेतीया उपा सकती हैं ऐसी तकियाओं का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

**मां का दूध बच्चों के लिए बहुत जरूरी**

मानव विकास व पारिवारिक अथर्वन को सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूरुष भौरिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है व यह महीने तक बच्चों को भिरों मां का दूध ही मिलना चाहिए। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पारुल शिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल फेटीयारक के रूप में किया

जाना चाहिए जो कि हमारे लिए बच्ची फायदेमंद है क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। छात्राओं ने उपभोक्ता की गुणवत्ता में रासायनिक पदार्थ मिलाने जाने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया ताकि उनकी गुणवत्ता को आसानी से पहचाना जा सके। खाद्य वैज्ञानिक विभाग ने खाद्य निबंध पाठशाला में मिलावट के बारे में बताया। छात्रा ने खाद्य हानियों की मिलावट को पर पर जांच करने का तरीका बताया और छात्रा पूजा ने खाद्य की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रतिष्ठान से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं व बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम का संयोजन छात्रा ज्योति व महीमा ने किया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने इस कार्यक्रम के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में गांव की आंगनवाड़ी कर्ता व हेल्पर एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों ने बहु-पट्टर हिस्सा लिया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज

08.10.2021

--

--

समस्त हरियाणा

शुक्रवार, 8 अक्टूबर, 2021

## एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लोग फॉरेन कॉलेज के परिसरगत संग्राह्य विभाग की ओर से राबि कालपुर में खाद्य सुरक्षा और जलित उपभोक्ताकस्त्र (एचएयू सेफ्टी एंड फीड कंज्यूश) का प्रतिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का खतरा स्वास्थ्य का खतरा विषय के प्रति छात्रों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमिता सुमन शर्मा ने बताया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट का खतरा बड़ा है। अक्सर दूध, मसाले, चींसे जैसे पदार्थों में फल-सब्जियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट में डालकर बेचा जाता है। इससे स्वास्थ्य पर इसके प्रति आम जनता को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और विमर्शकारी के बारे में बताया। अपने बताया कि खाद्य अधिकार में उपचार की सुरक्षा कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उपचार अक्षर्यक दिखने लगता है। इसलिए इसे उपचार को सुरक्षा को जांच लेना चाहिए व उपचार की समीक्षा लेबि व अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सभाग की संयोजक विमर्शकारी सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रमिता सुमन शर्मा की ओर से विद्युत और इस तरह के उपचारों की सुरक्षा की। डॉ. प्रमिता सिंह ने उपभोक्ता कानून का उपभोक्ता संरक्षण विभाग 1930 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है। डॉ. प्रमिता सुमन ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है। डॉ. प्रमिता सुमन ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है।



संसार उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। डॉ. प्रमिता सुमन ने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है। डॉ. प्रमिता सुमन ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है।

सुरक्षा में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है। डॉ. प्रमिता सुमन ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता संरक्षण में निवारण एवं कार्रवाई है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

नम छोर

08.10.2021

--

--

# खाद्य पदार्थ में मिलावट के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

हिसार/8 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कलेज के पारिवारिक संरक्षण विभाग की ओर से गांव साहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का बड़ा स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ प्रेमिस्ता कुष्मा बहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, खी से लेकर सब्जों व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और विनियमन के बारे में बताया हुए



कहा कि खाद्य अर्थमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बलीर मुखसतिथि मौजूद रही।

डॉ किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून व उपभोक्ता संरक्षण नियम 1936 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने

बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ खीनू सांगवान ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की महायुक्त वैज्ञानिक डॉ संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के

सक्रियता उगा सकती हैं ऐसी सक्रियता का सेवन हमारे शरीर को प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है। वरर और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ पारुल गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है, क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। छात्रा नीती कंधोज ने स्लॉट मिर्च पाउडर में मिलावट के बारे में बताया। छात्रा रेखा ने हल्दी की मिलावट की बार पर जांच करने का तरीका बताया और छात्रा पूजा ने साहू की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राष्ट्रीय स्वबर	08.10.2021	--	--

# एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय स्वबर ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रेमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है।

अनाज, दूध, मसाले, धी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए। सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी ने महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून वह उपभोक्ता संरक्षण नियम

1986 के बारे में जानकारी दी। डॉ. चीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है व छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पारुल गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा ज्योति व महिमा ने किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डैली हिसार	10.10.2021	--	--

2

### एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक



हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया

गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे

अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उसने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतीर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून व उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.10.2021	--	--

पंजाब केसरी

6/12



# खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर किये के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रेमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, चीं से लेकर सब्जों व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत



उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संभार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं। ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं व बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
कृषि जागरण	०९-१०-२१	०५	५-६

### खाद्य पदार्थों में मिलावट से दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के होम साइंस कालेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डा. प्रेमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी

से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उसने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए।



ग्रामीणों को संबोधित करते, प्रशिक्षण देते और सम्मानित करते हुए वैज्ञानिक। • एचएयू



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	०९-१०-२१	०९	०२-०५

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

## खाद्य पदार्थों में मिलावट के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रेमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल



हिसार। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करते वैज्ञानिक। फोटो: हरिभूमि

तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने

उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में सरंपच की पत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद

रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून तथा उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है तथा छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कृत किया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	09-10-21	04	1-2



कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

### खाद्य पदार्थों में मिलावट से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

हिसार, 8 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि खाद्य अपशिष्टों से भले ही उत्पाद आकर्षक दिखने

लगता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता कम हो जाती है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता सहित उसकी समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की पत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही।

डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को बताया कि ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकड खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं। ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। छात्रा नैसी कंबोज ने लाल मिर्च पाऊडर, रेखा ने हल्दी और पूजा ने शहद की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।